भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 124
11 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए

प्रकाशम के कोथापट्टनम में मछली पकड़ने का बंदरगाह

124 श्री येर्रम वेंकट सुब्बा रेड्डी:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले के कोथापट्टनम में मछली पकड़ने के बंदरगाह की योजना 400 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाई गई है;

(ख) इसके कार्यान्वयन की स्थिति क्या है, अब तक निर्गत और प्रयुक्त निधियाँ कितनी - कितनी हैं; और

(ग) यह बंदरगाह कब तक बनकर तैयार हो जाएगा?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (ग): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है ।

****

प्रकाशम के कोथापट्टनम में फिशिंग हार्बर के संबंध में 11 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए माननीय संसद सदस्य श्री येर्रम वेंकट सुब्बा रेड्डी द्वारा पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 124 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार ने 26 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के अंतर्गत प्रकाशम जिले के कोथापटनम में 364 करोड़ रुपए की लागत से एक फिशिंग हार्बर के निर्माण हेतु आंध्र प्रदेश सरकार के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है जिसमें केंद्र सरकार का शेयर 80 करोड़ रुपए है । फिशिंग हार्बर परियोजना के अंतर्गत ट्रेंकक्किल बेसिन के लिए ब्रेकवाटर का निर्माण, ड्रेजिंग, रिक्लेमेशन, क्वे, अंदरूनी सड़कें, मछली की नीलामी के लिए हॉल, प्रशासनिक भवन, गियर शेड, जाल की मरम्मत के लिए शेड़, मछुआरों के विश्राम कक्ष, नाव मरम्मत की दुकान, रेस्तरां, डोरमिट्री, सेक्युर्टी गार्ड का रूम, कंपाउंड वॉल, रेडियो संचार टावर, जलापूर्ति और स्वच्छता सुविधाएं, आईस प्लांट, कोल्ड स्टोरेज, एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, जल भंडारण सुविधाएं, जल निकासी, विद्युतीकरण सुविधाएं, फायर एक्सटिंग्विशर्स और हाइड्रेंट, हरियाली और लेंडस्केपिंग आदि शामिल हैं। फिशिंग हार्बर को कोथापट्टनम मत्स्य केंद्र की परिधि से संचालित होने वाले कुल 820 फिशिंग फ्लीट को सुरक्षित लैंडिंग, बर्थिंग और संबद्ध सुविधाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिसमें 9 मीटर वाले 600 मोटोराईज़्ड़ वेसल्स, 18 मीटर वाले 200 मेकेनाईज़्ड़ फिशिंग वेसल्स और 24 मीटर वाले टूना लॉन्ग लाइनरें शामिल हैं।

(ख) और (ग): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान इस परियोजना के लिए आंध्र प्रदेश सरकार को 40 करोड़ रुपए का केंद्रीय शेयर निर्गत किया है। आंध्र प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि वर्क अग्रीमेंट को अंतिम रूप दिया गया और ठेकेदार को अक्टूबर, 2022 में कार्य सौंपा गया था। हालाँकि, 25% से कम प्रगति के कारण अप्रैल, 2025 में राज्य सरकार ने कांट्रैक्ट रद्द कर दिया था। राज्य सरकार ने इस फिशिंग हार्बर परियोजना के संबंध में किसी भी भौतिक प्रगति और निधि उपयोग की सूचना नहीं दी है। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि फिशिंग हार्बर परियोजना की लागत में वृद्धि की गई है और संशोधित लागत 441.88 करोड़ रुपये है तथा प्रशासनिक अनुमोदन के लिए आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा संशोधित प्रस्ताव पर कार्रवाई की जा रही है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार कोथापट्टनम फिशिंग हार्बर परियोजना को पूरा करने की समय सीमा 31 दिसंबर, 2027 है। इसके अतिरिक्त, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने आंध्र प्रदेश राज्य के लिए ब्लू रेवोल्यूशन स्कीम (BR), फिशरीस एंड एक्वाकल्चर इनफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फ़ंड (FIDF) तथा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के अंतर्गत 2672.40 करोड़ रुपए की लागत से 8 फिशिंग हार्बर और 7 फिश लैंडिंग सेंटर परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है।

****